कोलायत विधायक अंशुमान सिंह ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का अवलोकन किया

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी ने मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का विजिट किया। विधायक भाटी ने कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार और सभी डीन, डायरेक्टर्स, शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक स्टाफ के साथ कृषि विश्वविद्यालय के बांस प्रोजेक्ट, विभिन्न लैब, कृषि महाविद्यालय म्यूजियम, मरूशक्ति इत्यादि का विजिट किया। इस दौरान भाटी कृषि अनुसंधान केन्द्र द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय सुनियोजित कृषि और बागवानी समिति द्वारा प्रायोजित 23 से 29 दिसंबर तक चल रही 'सूक्ष्म सिंचाई की तकनीकें' कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे 30 से ज्यादा किसानों से भी रूबरू हुए। किसानों ने बताया कि ड्रिप सिंचाई को लेकर दुकानदार सामान तो दे देते हैं लेकिन उन्हें ड्रिप सिंचाई को लेकर पूरी जानकारी नहीं दी जाती। पहली बार उन्हें यहां ड्रिप इरिगेशन को लेकर सही और सटीक जानकारी मिली है।

इंजीनियर जे.के.गौड़ ने किसानों को ड्रिप सिंचाई के तरीके, उसका मेंटेनेंस, ड्रिप सिंचाई को लेकर आ रही दिक्कतों के समाधान इत्यादि के बारे में विस्तार से बताया।

अंशुमान सिंहभाटी ने सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की ओर से संचालित की जा रही मरूशक्ति यूनिट का विजिट किया। जहां सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल ने मिलेट्स से बन रहे बिस्किट, खाखरा, केक, इत्यादि उत्पादों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। विधायक के विजिट के दौरान कृषि महाविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश समेत सभी डीन, डायरेक्टर्स, गैर शैक्षणिक में एनटीएसए अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत समेत अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

कोलायत विधायक अंशुमान सिंह ने किया स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का विजिट

■ लोकमत , बीकानेर

कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी ने मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का विजिट किया। विधायक भाटी ने कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार और सभी डीन, डायरेक्टर्स, शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक स्टाफ के साथ कृषि विश्वविद्यालय के बांस प्रोजेक्ट, विभिन्न लैब, कृषि महाविद्यालय म्यूजियम, मरूशक्ति इत्यादि का विजिट किया। इस दौरान भाटी कृषि अनुसंधान केन्द्र द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय सुनियोजित कृषि और बागवानी समिति द्वारा प्रायोजित 23 से 29 दिसंबर तक चल रही 'सूक्ष्म सिंचाई की तकनीकें' कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे 30 से ज्यादा किसानों से भी रूबरू हुए। किसानों ने बताया कि ड्रिप सिंचाई को लेकर दुकानदार सामान तो दे देते हैं लेकिन उन्हें ड्रिप सिंचाई को लेकर पूरी जानकारी नहीं दी जाती। पहली बार उन्हें यहां ड्रिप इरिगेशन को लेकर सही और सटीक जानकारी मिली है। इंजीनियर जे.के.गौड़ ने किसानों को ड्रिप सिंचाई के तरीके, उसका मेंटेनेंस, ड्रिप सिंचाई को लेकर आ रही दिक्कतों के समाधान इत्यादि के बारे में विस्तार से बताया। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि जोधपुर कृषि महाविद्यालय की स्थापना बीकानेर कृषि विश्वविद्यालय के बाद हुई। वहां कृषि अभियांत्रिकी संकाय खुल गया लेकिन बीकानेर कृषि विश्वविद्यालय अब भी इस संकाय से महरूम है। लिहाजा एसकेआरएयू में कृषि अभियांत्रिकी संकाय खोलने हेतु राज्य सरकार स्तर पर अभिशंसा हेतु निवेदन किया गया। वहीं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने बताया कि कृषि संकाय की ओर छात्राओं का रुझान पहले से काफी बढ़ा है लिहाजा यहां एक और गर्ल्स हॉस्टल की सख्त जरूरत है। एक और गर्ल्स हॉस्टल खोलने को लेकर भी राज्य सरकार स्तर पर अनुशंसा करने हेतु विधायक से निवेदन किया गया। विधायक भाटी ने कृषि महाविद्यालय के द्वारा बीकानेर में बांस की खेती को लेकर चल रहे महत्वपूर्ण बांस प्रोजेक्ट का भी विजिट किया। संबंधित कृषि वैज्ञानिक और कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने बताया कि बांस की चार-पांच वैरायटी अच्छी ग्रोथ कर रही है। भाटी ने तत्पश्चात कृषि महाविद्यालय का विजिट करते हुए वहां सेंट्रल लैब में मिट्टी, पानी की अत्याधुनिक मशीनों से होने वाली जांच के बारे में जानकारी हासिल की। साथ ही विभिन्न मिट्टी व पौधे में पाए जाने वाले पोषक तत्वों की जानकारी देने वाली अत्याधुनिक मशीनों के बारे में संबंधित कृषि वैज्ञानिकों डॉ एस.आर.यादव और डॉ भूपेन्द्र सिंह शेखावत ने विस्तृत जानकारी दी। भाटी ने कीट विज्ञान विभाग लैबोरेट्री का भी विजिट किया जहां डॉ एच.एल.देशवाल ने विस्तृत जानकारी दी। कोलायत विधायक को फल, सब्जियों से बनने वाले मूल्य संवर्धित उत्पादों आंवला कैंडी, आंवला जूस, शहद इत्यादि बनाने के बारे में बताया गया। उन्होने टिश्यू कल्चर लैब का भी विजिट किया। संबंधित वैज्ञानिक डॉ सुरजीत कुमार यादव ने बताया कि यहां टिश्यू कल्चर के जरिए खजूर के पौधों को विकसित किया जा रहा है।कोलायत विधायक ने कृषि महाविद्यालय के म्यूजियम का भी विजिट किया। जहां संबंधित कृषि वैज्ञानिकों ने अपने अपने संकाय के बारे में जानकारी दी।

जोधपुर कृषि महाविद्यालय की स्थापना बीकानेर कृषि विवि के बाद हुई वहां कृषि अभियांत्रिकी संकाय खुल गया लेकिन बीकानेर कृषि विश्वविद्यालय अब भी इस संकाय से महरूम

श्रीकोलायत विधायक अंशुमान सिंह ने किया कृषि विवि का विजिट

कृषि महाविद्यालय में कृषि अभियांत्रिकी संकाय खोलने और गर्ल्स हॉस्टल की अनुशंसा हेतु किया निवेदन

बीकानेर। कोलायत विधायक श्री अंशुमान सिंह भाटी ने मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का विजिट किया। विधायक भाटी ने कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार और सभी डीन, डायरेक्टर्स, शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक स्टाफ के साथ कृषि विश्वविद्यालय के बांस प्रोजेक्ट, विभिन्न लैब, कृषि महाविद्यालय म्यूजियम, मरूशक्ति इत्यादि का विजिट किया। इस दौरान भाटी कृषि अनुसंधान केन्द्र द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय सुनियोजित कृषि और बागवानी समिति द्वारा प्रायोजित 23 से 29 दिसंबर तक चल रही 'सूक्ष्म सिंचाई की तकनीकें' कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे 30 से ज्यादा किसानों से भी रूबरू हुए। किसानों ने बताया कि ड्रिप सिंचाई को लेकर दुकानदार सामान तो दे देते हैं लेकिन उन्हें ड्रिप सिंचाई को लेकर पूरी जानकारी नहीं दी जाती। पहली बार उन्हें यहां ड्रिप इरिगेशन को लेकर सही और

सटीक जानकारी मिली है।

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि जोधपुर कृषि महाविद्यालय की स्थापना बीकानेर कृषि विश्वविद्यालय के बाद हुई। वहां कृषि अभियांत्रिकी संकाय खुल गया लेकिन बीकानेर कृषि विश्वविद्यालय अब भी इस संकाय से महरूम है। लिहाजा एसकेआरएयू में कृषि अभियांत्रिकी संकाय खोलने हेतु राज्य सरकार स्तर पर अभिशंसा हेतु निवेदन किया गया। वहीं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने बताया कि कृषि संकाय की ओर छात्राओं का रुझान पहले से काफी बढ़ा है लिहाजा यहां एक और गर्ल्स हॉस्टल की सख्त जरूरत है। एक और गर्ल्स हॉस्टल खोलने को लेकर भी राज्य सरकार स्तर पर अनुशंसा करने हेतु विधायक से निवेदन किया गया।

विधायक भाटी ने कृषि महाविद्यालय के द्वारा बीकानेर में बांस की खेती को लेकर चल रहे महत्वपूर्ण बांस प्रोजेक्ट का भी विजिट किया। संबंधित कृषि वैज्ञानिक और कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने बताया कि बांस की चार-पांच वैरायटी अच्छी ग्रोथ कर रही है। भाटी ने तत्पश्चात कृषि महाविद्यालय का विजिट करते हुए वहां सेंट्रल लैब में मिट्टी, पानी की अत्याधुनिक मशीनों से होने वाली जांच के बारे में जानकारी हासिल की। साथ ही विभिन्न मिट्टी व पौधे में पाए जाने वाले पोषक तत्वों की जानकारी देने वाली अत्याधुनिक मशीनों के बारे में संबंधित कृषि वैज्ञानिकों डॉ एस.आर.यादव और डॉ भूपेन्द्र सिंह शेखावत ने विस्तृत जानकारी दी।

कोलायत विधायक अंशुमान सिंह ने किया स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का विजिट

कृषि महाविद्यालय में कृषि अभियांत्रिकी संकाय खोलने और गर्ल्स हॉस्टल की अनुशंसा राज्य सरकार स्तर पर करने हेतु किया गया निवेदन

ड्रिप सिंचाई को लेकर दुकानदार तो केवल सामान दे देते हैं ड्रिप इरिगेशन की सही और सटीक जानकारी पहली बार एसकेआरएयू में मिली- किसान

हिंदुस्तान से रूबरू

बीकानेर(सुरेश जैन) कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी ने मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का विजिट किया। विधायक भाटी ने कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार और सभी डीन, डायरेक्टर्स, शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक स्टाफ के साथ कृषि विश्वविद्यालय के बांस प्रोजेक्ट, विभिन्न लैब, कृषि महाविद्यालय म्यूजियम, मरूशक्ति इत्यादि का विजिट किया। इस दौरान श्री भाटी कृषि अनुसंधान केन्द्र द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय सुनियोजित कृषि और बागवानी समिति द्वारा प्रायोजित 23 से 29 दिसंबर तक चल रही ''सूक्ष्म सिंचाई की तकनीकें'' कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे 30 से ज्यादा किसानों से भी रूबरू हुए। किसानों ने बताया कि ड्रिप सिंचाई को लेकर दुकानदार सामान तो दे देते हैं लेकिन उन्हें ड्रिप सिंचाई को लेकर पूरी जानकारी नहीं दी जाती। पहली बार उन्हें यहां ड्रिप इरिगेशन को लेकर सही और सटीक जानकारी मिली है। इंजीनियर जे.के.गौड़ ने किसानों को ड्रिप सिंचाई के तरीके, उसका मेंटेनेंस, ड्रिप सिंचाई को लेकर आ रही दिक्कतों के समाधान इत्यादि के बारे में विस्तार से बताया। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि जोधपुर कृषि महाविद्यालय की स्थापना बीकानेर कृषि विश्वविद्यालय के बाद हुई। वहां कृषि अभियांत्रिकी संकाय खुल गया लेकिन बीकानेर कृषि विश्वविद्यालय अब भी इस संकाय से महरूम है। लिहाजा एसकेआरएयू में कृषि अभियांत्रिकी संकाय खोलने हेतु राज्य सरकार स्तर पर अभिशंसा हेतु निवेदन किया गया। वहीं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने बताया कि कृषि संकाय की ओर छात्राओं का रुझान पहले से काफी बढ़ा है लिहाजा यहां एक और गर्ल्स हॉस्टल की सख्त जरूरत है। एक और गर्ल्स हॉस्टल खोलने को लेकर भी राज्य सरकार स्तर पर अनुशंसा करने हेतु विधायक से निवेदन किया गया। विधायक भाटी ने कृषि महाविद्यालय के द्वारा बीकानेर में बांस की खेती को लेकर चल रहे महत्वपूर्ण बांस प्रोजेक्ट का भी विजिट किया। संबंधित कृषि वैज्ञानिक और कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने बताया कि बांस की चार-पांच वैरायटी अच्छी ग्रोथ कर रही है। श्री भाटी ने तत्पश्चात कृषि महाविद्यालय का विजिट करते हुए वहां सेंट्रल लैब में मिट्टी, पानी की अत्याधुनिक मशीनों से होने वाली जांच के बारे में जानकारी हासिल की। साथ ही विभिन्न मिट्टी व पौधे में पाए जाने वाले पोषक तत्वों की जानकारी देने वाली अत्याधुनिक मशीनों के बारे में संबंधित कृषि वैज्ञानिकों डॉ एस.आर.यादव और डॉ भूपेन्द्र सिंह शेखावत ने विस्तृत जानकारी दी। भाटी ने कीट विज्ञान विभाग लैबोरेट्री का भी विजिट किया जहां डॉ एच.एल.देशवाल ने विस्तृत जानकारी दी। कोलायत विधायक को फल, सब्जियों से बनने वाले मूल्य संवर्धित उत्पादों आंवला कैंडी, आंवला जूस, शहद इत्यादि बनाने के बारे में बताया गया। उन्होने टिश्यू कल्चर लैब का भी विजिट किया। संबंधित वैज्ञानिक डॉ सुरजीत कुमार यादव ने बताया कि यहां टिश्यू कल्चर के जरिए खजूर के पौधों को विकसित किया जा रहा है।कोलायत विधायक ने कृषि महाविद्यालय के म्यूजियम का भी विजिट किया। जहां संबंधित कृषि वैज्ञानिकों ने अपने अपने संकाय के बारे में जानकारी दी। कोयालय विधायक भाटी ने सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की ओर से संचालित की जा रही मरूशक्ति यूनिट का विजिट किया। जहां सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल ने मिलेट्स से बन रहे बिस्किट, खाखरा, केक, इत्यादि उत्पादों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। विधायक के विजिट के दौरान कृषि महाविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश समेत सभी डीन, डायरेक्टर्स, गैर शैक्षणिक में एनटीएसए अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत समेत अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

कोलायत विधायक अंशुमान सिंह ने किया स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का विजिट

हमारा समाचार

बीकानेर(सुरेश जैन) कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी ने मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का विजिट किया। विधायक भाटी ने कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार और सभी डीन, डायरेक्टर्स, शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक स्टाफ के साथ कृषि विश्वविद्यालय के बांस प्रोजेक्ट, विभिन्न लैब, कृषि महाविद्यालय म्यूजियम, मरूशक्ति इत्यादि का विजिट किया। इस दौरान श्री भाटी कृषि अनुसंधान केन्द्र द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय सुनियोजित कृषि और बागवानी समिति द्वारा प्रायोजित 23 से 29 दिसंबर तक चल रही %%सूक्ष्म सिंचाई की तकनीकें%% कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे 30 से ज्यादा किसानों से भी रूबरू हुए। किसानों ने बताया कि ड्रिप सिंचाई को लेकर दुकानदार सामान तो दे देते हैं लेकिन उन्हें ड्रिप सिंचाई को लेकर पूरी जानकारी नहीं दी जाती। पहली बार उन्हें यहां ड्रिप इरिगेशन को लेकर सही और सटीक जानकारी मिली है। इंजीनियर जे.के.गौड़ ने किसानों को ड्रिप सिंचाई के तरीके, उसका मेंटेनेंस, ड्रिप सिंचाई को लेकर आ रही दिक्कतों के समाधान इत्यादि के बारे में विस्तार से बताया। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि जोधपुर कृषि महाविद्यालय की स्थापना बीकानेर कृषि विश्वविद्यालय के बाद हुई। वहां कृषि अभियांत्रिकी संकाय खुल गया लेकिन बीकानेर कृषि विश्वविद्यालय अब भी इस संकाय से महरूम है। लिहाजा एसकेआरएयू में कृषि अभियांत्रिकी संकाय खोलने हेतु राज्य सरकार स्तर पर अभिशंसा हेतु निवेदन किया गया। वहीं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने बताया कि कृषि संकाय की ओर छात्राओं का रुझान पहले से काफी बढ़ा है लिहाजा यहां एक और गर्ल्स हॉस्टल की सख्त जरूरत है। एक और गर्ल्स हॉस्टल खोलने को लेकर भी राज्य सरकार स्तर पर अनुशंसा करने हेतु विधायक से निवेदन किया गया। विधायक भाटी ने कृषि महाविद्यालय के द्वारा बीकानेर में बांस की खेती को लेकर चल रहे महत्वपूर्ण बांस प्रोजेक्ट का भी विजिट किया। संबंधित कृषि वैज्ञानिक और कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने बताया कि बांस की चार-पांच वैरायटी अच्छी ग्रोथ कर रही है। श्री भाटी ने तत्पश्चात कृषि महाविद्यालय का विजिट करते हुए वहां सेंट्रल लैब में मिट्टी, पानी की अत्याधुनिक मशीनों से होने वाली जांच के बारे में जानकारी हासिल की। साथ ही विभिन्न मिट्टी व पौधे में पाए जाने वाले पोषक तत्वों की जानकारी देने वाली अत्याधुनिक मशीनों के बारे में संबंधित कृषि वैज्ञानिकों डॉ एस.आर.यादव और डॉ भूपेन्द्र सिंह शेखावत ने विस्तृत जानकारी दी।

भाटी ने कीट विज्ञान विभाग लैबोरेट्री का भी विजिट किया जहां डॉ एच.एल.देशवाल ने विस्तृत जानकारी दी। कोलायत विधायक को फल, सब्जियों से बनने वाले मूल्य संवर्धित उत्पादों आंवला कैंडी, आंवला जूस, शहद इत्यादि बनाने के बारे में बताया गया। उन्होने टिश्यू कल्चर लैब का भी विजिट किया।

कोलायत विधायक अंशुमान सिंह ने किया स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का विजिट

प्रशान्त ज्योति न्यूज

बीकानेर। कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी ने मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का विजिट किया। विधायक भाटी ने कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार और सभी डीन, डायरेक्टर्स, शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक स्टाफ के साथ कृषि विश्वविद्यालय के बांस प्रोजेक्ट, विभिन्न लैब, कृषि महाविद्यालय म्यूजियम, मरूशक्ति इत्यादि का विजिट किया। इस दौरान श्री भाटी कृषि अनुसंधान केन्द्र द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय सुनियोजित कृषि और बागवानी समिति द्वारा प्रायोजित 23 से 29 दिसंबर तक चल रही ''सूक्ष्म सिंचाई की तकनीकें'' कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे 30 से ज्यादा किसानों से भी रूबरू हुए। किसानों ने बताया कि ड्रिप सिंचाई को लेकर दुकानदार सामान तो दे देते हैं लेकिन उन्हें ड्रिप सिंचाई को लेकर पूरी जानकारी नहीं दी जाती।

पहली बार उन्हें यहां ड्रिप इरिगेशन को लेकर सही और सटीक जानकारी मिली है।

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि जोधपुर कृषि महाविद्यालय की स्थापना बीकानेर कृषि विश्वविद्यालय के बाद हुई। वहां कृषि अभियांत्रिकी संकाय खुल गया लेकिन बीकानेर कृषि विश्वविद्यालय अब भी इस संकाय से महरूम है। लिहाजा एसकेआरएयू में कृषि अभियांत्रिकी संकाय खोलने हेतु राज्य सरकार स्तर पर अभिशंसा हेतु निवेदन किया गया। वहीं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने बताया कि कृषि संकाय की ओर छात्राओं का रुझान पहले से काफी बढ़ा है लिहाजा यहां एक और गर्ल्स हॉस्टल की सख्त जरूरत है। एक और गर्ल्स हॉस्टल खोलने को लेकर भी राज्य सरकार स्तर पर अनुशंसा करने हेतु विधायक से निवेदन किया गया।

विधायक भाटी ने कृषि महाविद्यालय के द्वारा बीकानेर में बांस की खेती को लेकर चल रहे महत्वपूर्ण बांस प्रोजेक्ट का भी विजिट किया।

संबंधित कृषि वैज्ञानिक और कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने बताया कि बांस की चार-पांच वैरायटी अच्छी ग्रोथ कर रही है। श्री भाटी ने तत्पश्चात कृषि

महाविद्यालय का विजिट करते हुए वहां सेंट्रल लैब में मिट्टी, पानी की अत्याधुनिक मशीनों से होने वाली जांच के बारे में जानकारी हासिल की।

श्री भाटी ने कीट विज्ञान विभाग लैबोरेट्री का भी विजिट किया जहां डॉ एच.एल.देशवाल ने विस्तृत जानकारी दी। कोलायत विधायक को फल, सब्जियों से बनने वाले मूल्य संवर्धित उत्पादों आंवला कैंडी, आंवला जूस, शहद इत्यादि बनाने के बारे में बताया गया।

उन्होने टिश्यू कल्चर लैब का भी विजिट किया। कोलायत विधायक ने कृषि महाविद्यालय के म्यूजियम का भी विजिट किया। जहां संबंधित कृषि वैज्ञानिकों ने अपने अपने संकाय के बारे में जानकारी दी। कोयालय विधायक भाटी ने सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की ओर से संचालित की जा रही मरूशक्ति यूनिट का विजिट किया। जहां सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल ने मिलेट्स से बन रहे बिस्किट, खाखरा, केक, इत्यादि उत्पादों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। विधायक के विजिट के दौरान कृषि महाविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश समेत सभी डीन, डायरेक्टर्स, गैर शैक्षणिक में एनटीएसए अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत समेत अन्य स्टाफ मौजूद रहा।